अखबार वो जो दिखाता है सच — हिन्दी दैनिक

तेजयुग न्यूज़

स्थापना दिवस 2024

www.tejyug.com

शनिवार, 10 मार्च, 2024
Sunday, 10 March, 2024

• वर्ष/year : 01 • अंक/issu : 69 • पृष्ठ/page 12 • मूल्य/rate : 3 ₹

हापुड़ से प्रकाशित/ Published From Hapur

UPHIN/2023/51292

भारतीय सेना के लिए अब चीन सीमा तक पहुंचना होगा आसान

पीएम मोदी ने सेवा सुरंग का किया शुभारंभ

तेजयुग न्यूज

▶▶ परिवार पर विपक्ष पर जोरदार हमला

▶▶ देश की आवाज अबकी बार चार सौ पार

▶▶ कांग्रेस और दोस्तों ने कहा मोदी का परिवार नहीं

गुवाहाटी : अरुणाचल प्रदेश में अब किसी भी मौसम में भारतीय सुरक्षा बलों के लिए चीन सीमा तक पहुंचना आसान हो गया है। पीएम मोदी ने राज्य में सेला टनल का शुभारंभ कर दिया है। इससे ना सिर्फ किसी भी मौसम में परिवहन आसान होगा बल्कि विपरीत परिस्थितियों में सेना भी जल्द चीन बॉर्डर तक पहुंच पाएगी। सेला सुरंग का उन्होंने उद्घाटन किया और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस ने अरुणाचल प्रदेश में सीमावर्ती गांवों की 'उपेक्षा' करके देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया क्योंकि राज्य में लोकसभा की केवल दो सीटें हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार इसे पहले ही बना सकती थी लेकिन उसने ऐसा नहीं किया।

825 करोड़ की लागत से सेला सुरंग का निर्माण किया गया है। इस टनल को सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा 13,000 फीट की ऊंचाई पर बनाया गया है। सेला सुरंग की आधारशिला 9 फरवरी, 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही रखी थी और निर्माण कार्य उसी साल 1 अप्रैल को शुरू हुआ था। पीएम मोदी ने लोगों से कहा कि मोदी की गारंटी क्या होती है, ये आपको अरुणाचल में आकर साफ दिखता है। पूरा नॉर्थ ईस्ट देख रहा है कि मोदी की गारंटी कैसे काम कर रही है।

सबसे पहले उन्होंने असम का दौरा किया और फिर वह अरुणाचल प्रदेश पहुंचे। यहां कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने पूर्वोत्तर में पिछले पांच साल में जो किया है, उसे करने में कांग्रेस को 20 साल लग जाते। वहीं, अरुणाचल प्रदेश के बाद पीएम मोदी एक बार फिर से असम से जोरहाट लौट आए हैं।पीएम मोदी ने क्षेत्र में 55,600 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में एक जनसभा में कहा, ह्यदक्षिण एशिया और पूर्वी एशिया के साथ भारत के व्यापार, पर्यटन और अन्य संबंधों में पूर्वोत्तर एक मजबूत कड़ी बनेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के जोरहाट में महान अहोम सेनापति लचित बोरफुकन की प्रतिमा का उद्घाटन करने से पहले तर्पण किया।

महान अहोम सेनापति लचित बोरफुकन की 125 फुट ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ वेलर (बहादुरी की प्रतिमा) का उद्घाटन कर दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि आज मुझे असम के लोगों के लिए साढ़े 17 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने का सौभाग्य मिला है। प्रधानमंत्री ने बताया कि यहां आने से पहले मुझे काजीरंगा नेशनल पार्क की विशालता, उसकी प्राकृतिक सुंदरता को करीब से देखने और जानने का अवसर भी मिला। काजीरंगा अपनी तरह का अनूठा नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व है।

देश में एक ही आवाज आ रही है, अबकी बार 400 पार

प्रधानमंत्री ने ईटानगर में एक कार्यक्रम में कहा, हम देश को मजबूत बनाने के लिए संसदीय सीटों की संख्या के आधार पर नहीं बल्कि राज्य की आवश्यकताओं के आधार पर काम करते हैं। पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस की नीति सीमावर्ती क्षेत्रों को विकसित नहीं करने और सशस्त्र बलों को कमजोर रखने की रही है, लेकिन हम एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण में विश्वास करते हैं। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर परिवारवाद का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा- कांग्रेस के इंडिया गठबंधन के परिवार-वादी नेताओं ने मोदी पर हमले बढ़ा दिए हैं और आजकल वो पूछ रहे हैं कि मोदी का परिवार कौन है। गाली देने वालों कान खोलकर सुन लो- अरुणाचल के पहाड़ों में रहने वाला हर परिवार कह रहा है कि ये मोदी का परिवार है। पीएम मोदी ने कहा कि देश में एक ही आवाज आ रही है, अबकी बार 400 पार।

चुनाव आयोग को पत्र लिखकर जानकारी सार्वजनिक करने को कहा

एसबीआई की दलील के खिलाफ देश के पूर्व नौकरशाह

तेजयुग न्यूज

नई दिल्ली: कॉन्स्टिट्यूशनल कंडक्ट ग्रुप (सीसीजी) के बैनर तले कम से कम 79 पूर्व सिविल सेवकों ने भारतीय चुनाव आयोग को पत्र लिखकर भारतीय स्टेट बैंक को चुनावी बांड योजना के दानदाताओं का विवरण तुरंत जारी करने का निर्देश देने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में इसे असंवैधानिक करार दिया।

4 मार्च को, एसबीआई ने अदालत से आग्रह किया कि दानदाताओं के डेटा एकत्र करने के लिए समय सीमा 6 मार्च के बजाय 30 जून तक बढ़ा दी जाए। एसबीआई ने इस जानकारी से इनकार किया है और संकेत दिया है कि यह आम चुनाव से पहले उपलब्ध नहीं होगी। संकेत मिलता है कि एसबीआई सत्ता में सरकार को किसी भी आलोचना से बचा रहा है कि बांड और कुछ लोगों को दिए गए लाभ के बीच प्रतिशोध था। पत्र लिखने वाले सारे पूर्व अधिकारी देश और राज्यों के महत्वपूर्ण पदों पर काम कर चुके हैं।

सीसीजी ने ईसीआई को लिखे अपने पत्र में कहा, कंपनियों पर दबाव डालने के लिए छापेमारी/धमकी दी जा रही है। चुनावी बांड के संबंध में जानकारी जमा करने का समय 30 जून, 2024 तक बढ़ाएगा, जिस समय तक संसद के चुनाव समाप्त हो जाएंगे। हम निराशा के साथ नोट करते हैं कि एसबीआई को 4 मार्च को अदालत को यह सूचित करने में सत्रह दिन लग गए कि वे 6 मार्च तक डेटा एकत्र करने की स्थिति में नहीं हैं। 48 करोड़ खातों वाले और डिजिटलीकरण के उच्च स्तर का दावा करने वाले भारत के सबसे बड़े बैंक के लिए, एक दयनीय बहाना पेश किया गया है कि रिकॉर्ड मैन्युअल रूप से रखे गए थे और इसलिए विस्तार की मांग की गई थी। ऑल इंडिया बैंकिंग ऑफिसर्स कॉन्फेडरेशन के पूर्व महासचिव थॉमस फ्रेंको ने बताया है कि एसबीआई ने जून 2018 के एक पत्र द्वारा भारत सरकार से चुनावी बांड योजना के लिए आईटी सिस्टम के विकास के लिए 60 लाख रुपये से अधिक की राशि मांगी थी। फ्रेंको ने एक आरटीआई उत्तर भी प्रकाशित किया है जो केवल छह दिनों की अवधि में छह वर्षों में बेचे गए बांडों का विवरण देता है।

हापुड़ पारा अपडेट

मैक्सिमम	मिनीमम
22.00 °c	11.00 °c

सूर्यास्त (आज) ›› 17.10 बजे

सूर्योदय (कल) ›› 06.25 बजे

झारग्राम से भाजपा सांसद कुनार हेम्ब्रम ने पार्टी छोड़ी

कोलकाता: लोक सभा चुनाव से ठीक पहले पश्चिम बंगाल के झारग्राम से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद कुनार हेम्ब्रम ने पार्टी और लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। जिससे भाजपा को झटका लगा है। श्री हेम्ब्रम ने शनिवार को कहा कि व्यक्तिगत कारणों से उन्होंने पार्टी और पद छोड़ने को फैसला किया है। उन्होंने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार को पत्र लिखकर अपना इस्तीफा सौंपा। उन्होंने पार्टी छोड़कर जाने के पीछे व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया है। पत्रकारों से बातचीत में श्री हेम्ब्रम ने कहा कि उन्होंने निजी कारणों से यह फैसला लिया है। प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने कहा कि श्री हेम्ब्रम ने कुछ दिन पहले पार्टी को अपने फैसले के बारे में अवगत कराया था। उनका कहना है कि पार्टी छोड़ने के लिए यह सही वक्त है क्योंकि किसी और को मौका मिल सकेगा।

हैती में राष्ट्रपति भवन समेत सरकारी ठिकानों पर हमला

पोर्ट-ऑ-प्रिंस: हैती में आपराधिक गिरोहों ने देश की राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस में राष्ट्रपति भवन, गृह मंत्रालय और पुलिस मुख्यालय सहित कई सरकारी इमारतों पर हमला किया है। एबीसी न्यूज प्रसारक ने शनिवार को यह जानकारी कानून प्रवर्तन सूत्रों के हवाले से दी। सूत्रों के मुताबिक शुक्रवार शाम कई अलग-अलग आपराधिक समूहों ने राष्ट्रपति भवन सहित कई सरकारी कार्यालयों पर हमले किए। पुलिस और आपराधिक गिरोह की झड़प में कम से कम 12 हमलावर मारे गए। समाचार प्रसारक ने कहा कि हैती के नागरिकों ने भारी गोलीबारी और विस्फोट की गूंज सुनी। आपराधिक गिरोहों और पुलिस के बीच हिंसक झड़पों के कारण सैकड़ों लोगों को अपने क्षेत्र से भागने को मजबूर होना पड़ा।

पूर्व सैन्य अधिकारी ने जारी किये हैं अनेक दस्तावेज

एसबीआई ने सरकार को चुनावी बॉड की जानकारी दी थी

तेजयुग न्यूज

नईदिल्ली: चुनावी बॉड के मामले में भारतीय स्टेट बैंक की दलीलें एक के बाद एक खारिज होती जा रही है। सुप्रीम कोर्ट में इस बैंक ने चुनावी बांड का विवरण उपलब्ध कराने के लिए 30 जून तक का समय मांगा है। जहां एसबीआई राजनीतिक दलों के सामने गुप्त सांता की भूमिका निभाने वालों के नामों का खुलासा करने में यह कहकर सुस्ती बरत रहा है कि यह एक श्रमसाध्य कार्य है, वहीं बैंक ने अतीत में इसी तरह की सरकारी पूछताछ को पूरा करने में आश्चर्यजनक तेजी दिखाई है।

अदालत द्वारा राजनीतिक दलों के दानदाताओं को गुमनामी प्रदान करने वाली विवादास्पद फंड-जुटाने की योजना को रद्द करने और बांड जारी करने वाले एसबीआई से दानदाता के विवरण का खुलासा करने के लिए कहने के कुछ दिनों बाद, बैंक ने अदालत को बताया कि खरीदार से मिलान करने में उसे कई महीने लगेंगे। लाभार्थी पार्टियों के साथ बांड की। कई दलों ने सीधा सीधा आरोप लगाया है कि दरअसल एसबीआई की कोशिश उन चेहरों को छिपाने की है, जो इस खुलासे से बेनकाब हो सकते हैं। लेकिन दस्तावेजों के ढेर में, जिसे पारदर्शिता कार्यकर्ता कमोडोर लोकेश बत्रा ने द कलेक्टिव के साथ साझा किया था और 2019 और 2020 में चुनावी बांड पर खोजी खुलासे की एक श्रृंखला का आधार बनाया था, ऐसे कई निर्णायक सबूत हैं जो साबित करते हैं कि एसबीआई डेटा प्रदान करने के लिए दौड़ रहा है। सरकार को चुनावी बांड पर कम से कम समय में, कभी-कभी केवल 48 घंटों में।

दस्तावेजों से पता चलता है कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय के कहने पर, एसबीआई, बांड को भुनाने की समय सीमा समाप्त होने के 48 घंटों के भीतर देश भर से चुनावी बांड पर डेटा एकत्र करने में सक्षम था। इसने बिक्री की प्रत्येक विंडो अवधि के बाद केंद्रीय वित्त मंत्रालय को धार्मिक रूप से ऐसी जानकारी भेजी। कलेक्टिव ने 2020 तक भेजी जा रही ऐसी सूचनाओं का सत्यापन किया।

चारों तरफ की घेराबंदी की वजह से अपराधी दूर नहीं जा पाये

अपहृत सेनाधिकारी को छापामारी में रिहा कराया

गुवाहाटी: सेना के एक जूनियर कमीशंड अधिकारी को शुक्रवार सुबह मणिपुर के थौबल जिले में उनके आवास से अपहरण कर लिया गया और बाद में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान के बाद उन्हें बचा लिया गया। फरवरी के बाद से यह दूसरी घटना है जहां एक सुरक्षा अधिकारी का अपहरण किया गया है, जो राज्य में चिंताजनक कानून और व्यवस्था की स्थिति को रेखांकित करता है क्योंकि मेइतेई और कुकी-जो लोगों के बीच 3 मई को जातीय संघर्ष शुरू हुआ था। 27 फरवरी को, एक पुलिस अधिकारी पर जबरदस्ती की गई और उसका अपहरण कर लिया गया, लेकिन बाद में उसे बचा लिया गया। अपहृत जेसीओ की पहचान कोनसम खेड़ा सिंह के रूप में हुई है। इम्फाल से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, कथित तौर पर बदमाशों का एक समूह सुबह 9 बजे के आसपास उनके चारंगपत ममंग लेईकाई आवास में घुस आया और उन्हें एक वाहन में उठाकर ले गए। सेना के अधिकारियों ने शुरू में घटना की पुष्टि की लेकिन अपहरण के संभावित कारण या अपहरण के पीछे के लोगों के बारे में खुलासा नहीं किया। उन्होंने केवल इस तथ्य का खुलासा किया कि वह जेसीओ थे और छुट्टी पर थे। वह राज्य के बाहर सेवारत थे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों द्वारा समन्वित तलाशी अभियान के परिणामस्वरूप शाम 6.30 बजे के आसपास जेसीओ को सुरक्षित बचाया गया।

रामेश्वर कैफे में विस्फोट के लिए ईनाम जारी

बेंगलुरु विस्फोट के संदिग्ध की नई तस्वीरें जारी हुई

तेजयुग न्यूज

नई दिल्ली: राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे विस्फोट से जुड़े संदिग्ध की नई तस्वीरें जारी की हैं, जिसमें 10 लोग घायल हो गए थे। आतंकवाद-रोधी एजेंसी, जिसने 3 मार्च को मामला अपने हाथ में लिया, ने उस संदिग्ध की पहचान करने में जनता की सहायता मांगी है।

जिसके बारे में माना जाता है कि उसने 1 मार्च को लोकप्रिय बेंगलुरु भोजनालय में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस लगाया था। कैफे में विस्फोट होने के लगभग एक घंटे बाद सीसीटीवी फुटेज में मुख्य संदिग्ध को बस में चढ़ते हुए देखा गया। वीडियो के टाइमस्टैंप पर 1 मार्च को दोपहर 2:03 बजे लिखा है, जबकि विस्फोट दोपहर 12:56 बजे हुआ। टी-शर्ट, टोपी और फेसमास्क पहने संदिग्ध को कैफे में आईईडी से भरा एक बैग छोड़ते हुए देखा गया था। उसी दिन रात करीब 9 बजे के एक अन्य फुटेज में संदिग्ध को बस स्टेशन के अंदर घूमते हुए देखा गया है। एनआईए ने नागरिकों से ऐसी किसी भी जानकारी के साथ आगे आने का आग्रह किया है जिससे संदिग्ध की पहचान हो सके और उसे पकड़ा जा सके, बहुमूल्य जानकारी के लिए 10 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। बेंगलुरु पुलिस की केंद्रीय अपराध शाखा जांच में एनआईए के साथ सहयोग कर रही है।

मामले के सिलसिले में बल्लारी जिले के कौल बाजार के एक कपड़ा व्यापारी और प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से जुड़े एक कैडर को गिरफ्तार किया गया है। जांच टीम के अनुसार, घटना के बाद संदिग्ध ने अपने कपड़े बदले और बस से तुमकुरु, बल्लारी, बीदर और भटकल सहित विभिन्न स्थानों की यात्रा की।

सऊदी अरब के युवराज ने नया फरमान जारी कर हैरान किया मस्जिदों के अंदर इफ्तार पर अब रोक होगी

रियाद: रमजान के दौरान सऊदी अरब की मस्जिदों में इफ्तार पर रोक लगा दी गयी है। इस्लामिक महीने पूरी तरह से चंद्रमा की स्थिति पर निर्भर करते हैं। हालाँकि, इस साल रमजान का महीना 11 मार्च से शुरू होने वाला है। 9 अप्रैल तक समाप्त होना है। उससे ठीक पहले शहजादा मुहम्मद बिन सलमान का आदेश आया। वह अभी तक राजा नहीं बने हैं लेकिन देश चला रहे हैं। पद संभालने के बाद से उन्होंने देश में कई महत्वपूर्ण बदलाव किये हैं। महिलाओं को अधिक सामाजिक स्वतंत्रता देना, देश में व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए नए मनोरंजन पार्क बनाना, आधुनिक शहरों का निर्माण करना। इस बार उसी निरंतरता में मस्जिद में इफ्तार पर रोक लगा दी गई है। फरवरी के अंत में सऊदी अरब के इस्लामिक मामलों के मंत्रालय ने मस्जिद कर्मचारियों के लिए एक विशेष निर्देश जारी किया। सऊदी अरब की सभी मस्जिदों के इमामों और मुअज्जिनों को रमजान के महीने के दौरान उन निर्देशों का पालन करना होगा।

प्रचार अभियान — केजरीवाल ने कहा, दिल्ली के लोग मेरा परिवार है और मैंने उनकी सेवा करने के सभी प्रयास किए हैं....

केजरीवाल और मान ने लोकसभा चुनाव के लिए दिल्ली में आम आदमी पार्टी का प्रचार अभियान प्रारंभ किया

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने संसद में भी केजरीवाल, तो दिल्ली होगी और खुशहाल के नारे के साथ शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी के प्रचार अभियान की शुरूआत की। उनके साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी मौजूद थे। देश में आम चुनाव अप्रैल-मई में होने हैं। प्रचार अभियान की शुरूआत यहां डीडीयू मार्ग स्थित आप मुख्यालय में पार्टी के अन्य नेताओं और कार्यकताओं की मौजूदगी में हुई। केजरीवाल ने कहा, दिल्ली के लोग मेरा परिवार है और मैंने उनकी सेवा करने के सभी प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा, हमारा नारा है ह्यसंसद में भी केजरीवाल, तो दिल्ली होगी और खुशहाल। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी और पंजाब में आप का शासन है और ये ऐसे दो राज्य हैं जहां बिजली की आपूर्ति नि:शुल्क है। केजरीवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-नीत केंद्र सरकार आप सरकार द्वारा शुरू की गई हर परियोजना को दिल्ली के उपराज्यपाल के माध्यम से रोक देती है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने लोगों से विपक्ष के सभी सात उम्मीदवारों को संसद में भेजकर उन्हें मजबूत बनाने का आग्रह किया। इस दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री मान ने कहा कि उनके राज्य में लोकसभा चुनाव में सभी 13 सीट आप की झोली में आएंगी। उन्होंने केंद्र पर दिल्ली में केजरीवाल सरकार के काम में बाधा डालने और पंजाब का धन रोकने का भी आरोप लगाया। आप दिल्ली, गुजरात और हरियाणा में सीट बंटवारा समझौते के तहत विपक्षी गुट इंडिया के घटक दल कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी, लेकिन पंजाब में दोनों दलों ने अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया है।